शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

अभ्यास प्रश्न पत्र

कक्षा XI (2023–24)

हिंदी (ऐच्छिक) (002)

अधिकतम अंक–80 **अवधि: 3 घंटे**

सामान्य निर्देशः–

- **इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं । खंड 'अ' में वस्तुपरक / बहुविकल्पी और खंड 'ब' में वस्तुनिष्ठ / वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।**
- **प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 14 है और सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।**
- **खंड 'अ' में 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, सभी प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।**
- **खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के साथ दिए गए उचित विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
- **यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।**

प्रश्न संख्या	खंड 'अ' (वस्तुपरक प्रश्न) अपठित बोध	अंक
प्रश्न 1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** साहित्य की शाश्वतता का प्रश्न एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। क्या साहित्य शाश्वत होता है? यदि हाँ तो किस मायने में? क्या कोई साहित्य अपने रचनाकाल के सौ वर्ष बीत जाने पर भी उतना ही प्रासंगिक रहता है, जितना वह अपनी रचना के समय था? अपने समय या युग का निर्माता साहित्यकार क्या सौ वर्ष बाद की परिस्थितियों का भी युग निर्माता हो सकता है? समय बदलता रहता है, परिस्थितियाँ और भावबोध बदलते रहते हैं. साहित्य बदलता है और इसी के समानान्तर पाठक की मानसिकता और अभिरुचि भी बदलती है। अतः कोई भी कविता अपने सामयिक परिवेश के बदल जाने पर ठीक वही उत्तेजना पैदा नहीं कर सकती जो उसने अपने रचनाकाल के दौरान की होगी। कहने का तात्पर्य यह है कि एक विशेष प्रकार के साहित्य के श्रेष्ठ अस्तित्व मात्र से वह साहित्य हर युग के लिए उतना ही विशेष आकर्षण रखे, यह आवश्यक नहीं है। साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उसके नित्य आकर्षण का आधार नहीं है। उसकी श्रेष्ठता का युग युगीन आधार हैं वे जीवन मूल्य तया उनकी अत्यंत कलात्मक अभिव्यक्ति जो मनुष्य की स्वतंत्रता तथा उच्चतर मानव विकास के लिए पथ–प्रदर्शक का काम करती है। पुराने साहित्य का केवल वही श्री–सौंदर्य हमारे लिए ग्राह्य होगा जो नवीन जीवन–मूल्यों के विकास में सहयोग दे अथवा स्थिति रक्षा में सहायक हो। कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता को अस्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि साहित्यकार निरपेक्ष होता है और उस पर कोई भी दबाव आरोपित नहीं होना चाहिए, किन्तु वे भूल जाते हैं कि साहित्य के निर्माण की मूल प्रेरणा मानव जीवन में ही विद्यमान रहती है। जीवन के लिए ही उसकी सृष्टि होती है। तुलसीदास जब स्वांत सुखाय काव्य रचना करते हैं तब अभिप्राय यह नहीं रहता कि मानव समाज के लिए इस रचना का कोई उपयोग नहीं है, बल्कि उनके अंतःकरण में संपूर्ण संसार की सुख–भावना एवं हित–कामना सन्निहित रहती है।	**1X10= 10**
(I)	गद्यांश के अनुसार साहित्य के शाश्वत होने से क्या अभिप्राय है? (क) साहित्य का आधुनिक होना	

	(ख) साहित्य का प्राचीन होना (ग) साहित्य का प्रासंगिक होना (घ) साहित्य का पुस्तकालय में होना	
(II)	युग परिवर्तन के साथ युगीन साहित्य की प्रासंगिकता कम क्यों हो जाती है? (क) भाषायी परिवर्तन के कारण (ख) अन्य लेखकों के प्रभाव के कारण (ग) भावबोध परिवर्तन के कारण (घ) कलापक्ष में परिवर्तन के कारण	
(III)	पुराने साहित्य के प्रति अरुचि का कारण क्या है? (क) अभिरुचि परिवर्तन (ख) परिस्थितियों में परिवर्तन (ग) भावबोध परिवर्तन के कारण (घ) उपर्युक्त सभी	
(IV)	कोई भी साहित्य हमेशा एक–सी उत्तेजना क्यों नहीं पैदा कर सकता? (क) श्रेष्ठ अस्तित्व के कारण (ख) सामयिक परिवेश के बदल जाने से (ग) प्राचीन होने के कारण (घ) परंपरा के कारण	
(V)	जीवन के विकास में पुराने साहित्य का कौन–सा अंश स्वीकार्य है? (क) जो सुगमतापूर्वक पठनीय हो। (ख) जो जीवन के विकास में पथ प्रदर्शक का काम करता हो। (ग) जो प्राचीनता की ओर आकृष्ट करता हो। (घ) जिसमे आकर्षण हो।	
(VI)	तुलसीदास जैसे महान कवि की रचना 'स्वांत: सुखाय' होकर भी जन उपयोगी क्यों है? (क) अंतःकरण में सुख–भावना निहित होने से (ख) मनोरंजक होने के कारण (ग) धार्मिक होने के कारण (घ) अवधी भाषा में लिखी होने के कारण	
(VII)	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए– (I) समय और परिस्थितियाँ के साथ भावबोध भी बदलते हैं। (II) साहित्य केवल मनोरंजन का साधन होता है। (III) साहित्य केवल व्यक्तिगत जीवन की झांकी होती है। उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा/कौन–से सही है/ हैं? (क) केवल II (ख) केवल I	

https://www.evidyarthi.in

	(ग) केवल III (घ) I और III	
(VIII)	किसी भी सच्चे साहित्यकार के साहित्य सृजन में……………की सुख–भावना एवं हित–कामना सन्निहित रहती है। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए– (क) संपूर्ण संसार (ख) व्यक्तिगत जीवन (ग) सांसारिक सुखों (घ) काल्पनिक संसार	
(Ix)	कैसा साहित्यकार स्थायी प्रेरणास्पद साहित्य का निर्माणकर सकता है? (क) जो समयानुरूप लिखता हो । (ख) व्यक्तिगत भावनाओं की अभिव्यक्ति करता हो। (ग) जो व्यापक लोक जीवन को समाहित करता हो। (घ) जो धन प्राप्ति की इच्छा से लिखता हो।	
(x)	निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए– कथन (A): प्रस्तुत गद्यांश साहित्य की उपादेयता विषय पर आधारित है। कारण (R): साहित्य की उपादेयता धन–प्राप्ति तथा मनोरंजन होना चाहिए। (क) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है। (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) गलत है। (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।	
प्रश्न 2.	**दिए गए काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** लोहे के पेड़ हरे होंगे, तू गान प्रेम का गाता चल, नम होगी यह मिट्टी जरूर, आँसू के कण बरसाता चल। सिसकियों और चीत्कारों से, जितना भी हो आकाश भरा, कंकालों का हो ढेर, खप्परों से चाहे हो पटी धरा। आशा के स्वर का भार, पवन को लेकिन, लेना ही होगा, जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा। रंगों के सातों घट उड़ेल, यह अँधियाली रंग जाएगी, उषा को सत्य बनाने को जावक नभ पर छितराता चल। आदर्शों से आदर्श भिड़े, प्रजा प्रज्ञा पर टूट रही, प्रतिमा प्रतिमा से लड़ती है, धरती की किस्मत फूट रही आवर्तों का है विषम जाल, निरुपाय बुद्धि चकराती है, विज्ञान–यान पर चढ़ी हुई सभ्यता डूबने जाती है।	**1X8=8**

	जब–जब मस्तिष्क जयी होता, संसार ज्ञान से चलता है, शीतलता की है राह हृदय, तू यह संवाद सुनाता चल।	
(I)	इस कविता के केन्द्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए– कथन– (I) प्रस्तुत कविता में आशावाद का स्वर है। (II) कवि इस धरती को कंकालों और खप्परों से पाटना चाहता है। (III) कवि के मन में मशीनी संस्कृति से सभ्यता के मिटने का डर है। (IV) संसार का अस्तित्व ज्ञान और बुद्धि के साथ विवेकपूर्ण निर्णय पर निर्भर करता है। विकल्प– (क) कथन (I) और (II) सही है । (ख) कथन (II) और (III) सही है । (ग) कथन (I), (III) और (IV) सही है । (घ) कथन (I), (II), (III) और (IV) सही है ।	
(II)	लोहे के पेड़ किसके प्रतीक हैं ? (क) नकली पेड़ (ख) मशीनें (ग) मशीनी संस्कृति (घ) विज्ञान	
(III)	नम होगी यह मिट्टी जरूर कहकर कवि किस ओर संकेत कर रहा है ? (क) प्रेम के बल पर शुष्क हृदयों में भाव भरे जा सकते हैं। (ख) वर्षा न होने के कारण सूखी मिट्टी वर्षा आने पर नम जरूर हो जाएगी। (ग) सूखी आँखें फिर आँसुओं से नम हो जाएंगी। (घ) इतने आँसू बहाओ कि मिट्टी गीली हो जाए।	
(IV)	दुख और निराशा के वातावरण में मनुष्य का क्या कर्तव्य होना चाहिए ? (क) समस्याओं से पलायन कर ले (ख) आशा का संचार करें (ग) मिट्टी नम करें (घ) विज्ञान–यान पर सवार हों	
(V)	प्रेम की भावना से इस भौतिक बौद्धिक संसार पर विजय पाई जा सकती है यह भाव किस पंक्ति से व्यंजित हो रहा है? (क) जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा। (ख) आशा के स्वर का भार पवन को लेकिन लेना ही होगा। (ग) जब जब मस्तिष्क जयी होता संसार ज्ञान से चलता है। (घ) शीतलता की है राह हृदय, तू यह संवाद सुनाता चल।	
(VI)	निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए –	

DoE, Delhi

https://www.evidyarthi.in

	कथन (A): विज्ञान रूपी जहाज पर चढ़ी हुई यह वैज्ञानिक सभ्यता आज डूबने के कगार पर खड़ी है। कारण (R): आज संसार के प्रत्येक मानव की बुद्धि में सिद्धांतों और विचारों की एकरूपता है। (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है। (ख) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है। (ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।	
(VII)	'विज्ञान-यान' में कौन सा अलंकार है? (क) अनुप्रास अलंकार (ख) उपमा अलंकार (ग) रूपक अलंकार (घ) अन्योक्ति अलंकार	
(VIII)	शान्ति का असली मार्ग क्या है? (क) हृदय (ख) बुद्धि (ग) वैर (घ) उदासीनता	
	अभिव्यक्ति और माध्यम	
प्रश्न 3.	**निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए-**	**1X5=5**
(I)	निम्नलिखित में संचार की प्रक्रिया का तत्व नहीं है? (क) माध्यम (ख) प्राप्तकर्ता (ग) स्रोत (घ) नियोक्ता	
(II)	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए- (I) अंत: वैयक्तिक संचार- वह संचार जिसमें संचारक और प्राप्तकर्ता एक ही व्यक्ति होता है। (II) अंतर वैयक्तिक संचार- वह संचार जिसमें दो व्यक्ति आपस में और आमने-सामने संचार करते हैं। (III) समूह संचार- वह संचार जिसमें केवल एक व्यक्ति संचार करता है। इन कथनों में कौन सा/से कथन सत्य है/हैं? (क) केवल (II) (ख) केवल (III) (ग) (I) और (II) दोनों (घ) (I), (II) तथा (III)	
(III)	भारत में छपने वाला पहला अखबार कौन-सा था? (क) बंगाल गज़ट	

	(ख) उदंड मार्तंड (ग) सरस्वती (घ) हंस	
(IV)	भारती एक पत्रकार है और वह समाचार के रूप में क्या प्रस्तुत करती है? (क) कल्पना को (ख) यथार्थ को (ग) भावनाओं को (घ) झूठे अतीत को	
(V)	तथ्यों की शुद्धता, वस्तुपरकता, निष्पक्षता, संतुलन और स्रोत हैं– (क) संपादन के प्रकार (ख) संपादन के गुण (ग) संपादन के सिद्धांत (घ) संपादन के तत्त्व	
	पाठ्यपुस्तक अंतरा भाग–1	
प्रश्न 4.	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उचित विकल्प का चयन कीजिए –** खेलन में को काको गुसैयाँ। हरि–हारे जीते श्रीदामा, बरबस हीं कत करत रिसैयाँ। जाति–पाँति हमरौं बड़ नाही, नाही बसत तुम्हारी छैयाँ। अति अधिकार जनावत यातै, जातें अधिक तुम्हारै गैयाँ। रूठहि करै तासौं को खेलै, रहे बैठि जहँ–तहँ ग्वैयाँ। सूरदास प्रभु खेल्यौइ चाहत, दाऊँ दियौ करि नंद–दुहैयाँ।	**1X5=5**
(I)	काव्यांश की प्रमुख विशेषता है? (क) बाल सुलभ मनोविज्ञान (ख) दास्य भक्ति भावना (ग) कवि की स्वार्थ भावना (घ) राजनीतिक चेतना	
(II)	'खेलन में को काको गुसैयाँ' इस पंक्ति का अभिप्राय है– (क) खेल में सभी सेवक होते हैं और केवल श्रीकृष्ण ही स्वामी हो सकते हैं। (ख) खेल में कोई स्वामी–सेवक नहीं होता, सभी बराबर होते हैं। (ग) खेल में बलशाली ही स्वामी होते हैं और शेष सेवक होते हैं। (घ) खेल में कमजोरों को पहला दाँव मिलना चाहिए।	
(III)	खेल में किसकी जीत हुई है? (क) श्री कृष्ण की (ख) श्रीदामा की (ग) बलराम की (घ) सूरदास की	

https://www.evidyarthi.in

(IV)	काव्यांश में कौन–सी भक्ति भावना मुखरित हुई है? (क) दैन्य भाव की (ख) कुद्ध भाव की (ग) वत्सल भाव की (घ) सख्य भाव की	
(V)	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए– (I) ग्वालों के अनुसार खेल में जो बेईमानी करे और हार कर भी दाँव न दे उसके साथ कोई नहीं खेल सकता। (II) श्रीकृष्ण ने नंद बाबा की शपथ लेकर श्रीदामा को दाँव देना स्वीकार कर लिया। (III) सखाओं के अनुसार श्रीकृष्ण की अकड़ का कारण था कि उनके घर में श्रीदामा से अधिक गाएँ थीं। इन कथनों में कौन सा/से कथन सत्य है/हैं? (क) केवल (I) (ख) केवल (II) (ग) (I) और (III) (घ) (I), (II) तथा (III)	
प्रश्न 5.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा निर्देशानुसार उचित विकल्प का चयन कीजिए–** मैं आज मनुष्य को एक घने अंधकार में देख रहा हूँ। उसके भीतर कुछ बुझ गया है। यह युग ही अंधकारमय है। यह सर्वग्राही अन्धकार संपूर्ण विश्व को अपने उदर में छिपाए है। आज मनुष्य इस अंधकार से घबरा उठा है। वह पथभ्रष्ट हो गया है। आज आत्मा में भी अंधकार है। अंतर की आँखें ज्योतिहीन हो गई हैं। वे उसे भेद नहीं पातीं। मानव आत्मा अंधकार में घुटती है। मैं देख रहा हूँ, मनुष्य की आत्मा भय और पीड़ा से त्रस्त है।	**1X5=5**
(I)	" मैं आज मनुष्य को एक घने अंधकार में देख रहा हूँ।" इस कथन का आशय है– (क) मनुष्य के जीवन में प्रेम और उत्सुकता का भरना। (ख) मनुष्य जीवन का भोग विलास और सुख–सुविधाओं से संपन्न होना। (ग) मनुष्य के जीवन में आशावादी दृष्टिकोण का संचार होना। (घ) मनुष्य जीवन में दुख, पीड़ा और भय की कालिमा का भर जाना	
(II)	आज मनुष्य किससे घबरा उठा है? (क) रात्रि से (ख) अपनी अंतरात्मा से (ग) अंतरात्मा में फैले अंधकार से (घ) ज्योतिहीन होने की कल्पना से	
(III)	'मैं देख रहा हूँ, मनुष्य की आत्मा भय और पीड़ा से त्रस्त है।' इस कथन में 'मैं' का प्रयोग किसके लिए हुआ है? (क) संत पुरुष बने मित्र के लिए (ख) टार्च बेचने वाले मित्रए के लिए (ग) सूरज छाप टार्च के मालिक के लिए (घ) संत पुरुष बने मित्र के भक्त के लिए	
(IV)	"उदर" शब्द से आशय है–	

DoE Delhi

	(क) दिल (ख) दिमाग (ग) कमर (घ) पेट	
(V)	कथन (A) : आज मनुष्य इस अंधकार से घबरा उठा है, वह पथभ्रष्ट हो गया है। कारण (R) : मनुष्य की आत्मा और उसका जीवन पीड़ा और भय से त्रस्त है। (क) कथन (A) सही है और कारण (R) सही व्याख्या है। (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (ग) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) गलत है। (घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) सही व्याख्या नहीं है।	
	पाठ्यपुस्तक अंतराल भाग–1	
प्रश्न 6.	**निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए –**	**1X7=7**
(I)	"हुसैन की कहानी अपनी जुबानी" पाठ की विधा है– (क) जीवनी (ख) रेखाचित्र (ग) आत्मकथा (घ) यात्रा वृतांत	
(II)	निम्नलिखित में कौन–सा स्केच मकबूल द्वारा नहीं बनाया गया है? (क) शेर पर सवार शिवाजी का स्केच (ख) बुर्का पहने औरत और बकरी के बच्चे का स्केच (ग) घुंघट ताने मेहतरानी का स्केच (घ) गेहूं की बोरी उठाएं मजदूर की पेंचवाली पगड़ी का स्केच	
(III)	कथन (A) : बेंद्रे साहब की प्रेरणा से मकबूल की चित्रकारिता के महत्वपूर्ण युग की शुरुआत हुई। कारण (R) : बेंद्रे साहब की तकनीक व शैली से मकबूल पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। (क) कथन (A) सही है और कारण (R) सही व्याख्या है। (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (ग) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) गलत है। (घ) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।	
(IV)	कथन (A) : मकबूल ने पहली ऑयल पेंटिंग एक मराठा योद्धा की बनाई थी। कारण (R) : फिल्मी पोस्टर देखकर मकबूल के मन में ऑयल कलर में पेंटिंग बनाने का विचार आया। (क) कथन (A) सही है और कारण (R) सही व्याख्या नहीं है। (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (ग) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) गलत है।	

https://www.evidyarthi.in

	(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) सही व्याख्या है।	
(V)	शरतचंद्र का साहित्य से प्रथम परिचय किसके माध्यम से हुआ था? (क) आँसुओं के माध्यम से (ख) पंडित जी के माध्यम से (ग) हास–परिहास के माध्यम से (घ) व्यंग्य–विनोद के माध्यम से	
(VI)	निम्नलिखित शब्द–युग्मों को सुमेलित कीजिए– **भाग 1** — **भाग 2** (I) दारुलतुलबा — (I) शरतचंद्र (II) इंदौर सर्राफा बाज़ार — (II) छात्रावास या हॉस्टल (III) सुन्दर लेख — (III) बेंद्रे साहब (IV) रुदन के विभिन्न रूप पहचानना — (IV) मोतीलाल (क) (I)–(I), (II)–(II), (III)–(III), (IV)–(IV) (ख) (I)–(IV), (II)–(I), (III)–(II), (IV)– (III) (ग) (I)–(I), (II)–(III), (III)–(II), (IV)– (IV) (घ) (I)–(II), (II)–(III), (III)–(IV), (IV)– (I)	
(VII)	'आवारा मसीहा' पाठ के अनुसार निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए– (I) शरत् और उसके पिता मोतीलाल के स्वभाव में सौन्दर्यबोध की समानता थी। (II) दोनों ही स्वप्नदर्शी व कल्पनालोक में विचरण करने वाले थे। (III) शरत् के पिता न तो निषिद्ध कार्यों करते थे और न ही उसका समर्थन करते थे। इन कथनों में कौन सा/से कथन सत्य है/हैं? (क) केवल (I) (ख) केवल (II) (ग) (I) और (II) दोनों (घ) (II) और (III) दोनों	
	खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)	
प्रश्न 7.	**निम्न में से किसी <u>एक विषय</u> पर लगभग 120 शब्दों में दृश्य लेखन कीजिए–** प्ले स्कूल का दृश्य **अथवा** पुस्तक प्रदर्शनी का दृश्य	**5X1=5**
प्रश्न 8. (क)	आप शुभम /शिखा हैं । क ख ग कम्पनी में डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर आवेदन देने के लिए अपना स्ववृत्त तैयार कीजिए। **अथवा**	**5X1=5**

DoE, Delhi

	आप आयुष /शगुन हैं। अपने विद्यालय में हो रहे निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार को लेकर मुख्य सतर्कता अधिकारी, दिल्ली सरकार को एक शिकायती पत्र लिखिए।	
(ख)	आप सकीना/सौरभ हैं। अपने विद्यालय में ई. एम. सी. प्रदर्शनी के सफल आयोजन पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए। **अथवा** आप एंजेल/मनीष हैं। अपने मोहल्ले में आयोजित किए गए 'रक्तदान–महादान महोत्सव' के लिए एक प्रेस विज्ञप्ति तैयार कीजिए।	**3X1=3**
प्रश्न 9.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए–**	**2X2=4**
(I) **(II)**	समाचार के तत्वों पर प्रकाश डालिए। संचार के विभिन्न प्रकारों के बारे में बताइए।	
प्रश्न 10.	**निम्न में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**	**2X2=4**
(I) **(II)** **(III)**	'खेलन में को काको गुसैयाँ' पद में सूर ने बाल स्वभाव का वर्णन किया है। उसे स्पष्ट कीजिए। घर एक परिवार है, परिवार में पाँच सदस्य हैं, किन्तु कवि पाँच सदस्य नहीं उन्हें पाँच जोड़ी आँखें मानता है। क्यों? 'बादल को घिरते देखा है' कविता में प्रकृति चित्रण कल्पना–आधारित नहीं यथार्थ पर आधारित है। उदाहरण देकर पुष्टि कीजिए।	
प्रश्न 11.	**निम्नलिखित में से <u>किसी एक काव्यांश</u> की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –**	**6X1=6**
	अरे इन दोहुन राह न पाई। हिंदू अपनी करे बड़ाई गागर छुवन न देई। बेस्या के पायन–तर सोवै यह देखो हिंदुआई। मुसलमान के पीर–औलिया मुर्गी मुर्गा खाई। खाला केरी बेटी ब्याहै घरहि में करै सगाई। बाहर से इक मुर्दा लाए धोय–धाय चढ़वाई। सब सखियाँ मिलि जेंवन बैठीं घर–भर करै बड़ाई। हिंदुन की हिंदुवाई देखी तुरकन की तुरकाई। कहैं कबीर सुनों भाई साधो कौन राह है जाई। **अथवा** वज्र का उर एक छोटे, अश्रु–कण में धो गलाया, दे किसे जीवन सुधा दो घूट मदिरा माँग लाया? सो गई आँधी मलय की वात का उपधान ले क्या? विश्व का अभिशाप क्या चिर नींद बनकर पास आया? अमरता–सुत चाहता क्यों मृत्यु को उर में बसाना? जाग तुझको दूर जाना!	
प्रश्न 12.	**निम्नलिखित में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नो के उत्तर दीजिए–**	**2X2=4**

DoE, Delhi
https://www.evidyarthi.in

(I)	रामचंद्र, मोहन और मुंशी जी खाते समय रोटी न लेने के लिए बहाने करते हैं, उसमें कैसी विवशता है ? स्पष्ट कीजिए।	
(II)	'विद्रोही की माँ से संबंध रखकर कौन अपनी गरदन मुसीबत में डालता' – इस कथन के आधार पर उस शासन–तंत्र और समाज–व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।	
(III)	'चल! ये लोग म्हारा घर ना बणने देंगे।' सुकिया के इस कथन के आधार पर कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।	
प्रश्न 13.	**निम्नलिखित गद्यांश में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –**	**6X1=6**
	लड़के सबसे ज्यादा प्रसन्न हैं। किसी ने एक रोज़ा रखा है, वह भी दोपहर तक, किसी ने वह भी नहीं; लेकिन ईदगाह जाने की खुशी उनके हिस्से की चीज़ है। रोज़े बड़े–बूढ़ों के लिए होंगे। इनके लिए तो ईद है। रोज़ ईद का नाम रटते थे आज वह आ गई। अब जल्दी पड़ी है कि लोग ईदगाह क्यों नहीं चलते। इन्हें गृहस्थी की चिंताओं से क्या प्रयोजन! सेवैयों के लिए दूध और शक्कर घर में है या नहीं, इनकी बला से, ये तो सेवैयाँ खाएँगे। वह क्या जानें कि अब्बाजान क्यों बदहवास चौधरी कायम अली के घर दौड़े जा रहे हैं। उन्हें क्या खबर कि चौधरी आज आँखें बदल लें, तो सारी ईद मुहर्रम हो जाए। **अथवा** लोगों को कोई चलानेवाला हो, तो ये क्या नहीं कर सकते। इनसे इतना कह दीजिए, "का चुप साधि रहा बलवाना" फिर देखिए कि हनुमान जी को अपना बल कैसे याद आ जाता है। सो बल कौन याद दिलावे या हिंदुस्तानी रांजे–महाराजे या नवाब रईस या हाकिम। राजे–महाराजों को अपनी पूजा, भोजन, झूठी गप से छुट्टी नहीं। हाकिमों को कुछ तो सरकारी काम घेरे रहता है, कुल बॉल, घुड़दौड़, थिएटर, अखबार में समय गया। कुछ समय बचा भी तो उनको क्या गरज है कि हम गरीब गंदे काले आदमियों से मिलकर अपना अनमोल समय खोवें। बस वही मसल हुई – "तुम्हें गैरों से कब फुरसत हम अपने गम से कब खाली। चलो, बस हो चुका मिलना न हम खाली न तुम खाली।"	
प्रश्न 14.	**निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए–**	**3X1=3**
(I)	"अपराजेय कथाशिल्पी शरत्चन्द्र के निर्माण में कुसुमकामिनी का जो योगदान हैं, उसे कभी नहीं भुलाया जा सकेगा।"इस कथन से शरत् के जीवन की किस घटना का पता चलता है?	
(II)	'हुसैन की कहानी अपनी जबानी–एक उद्देश्पूर्ण रचना है।' इस कथन पर पाठ के आधार पर विचार कीजिए।	